स्वार्थी मित्र

(शिक्षाप्रद कहानी)

8

ऊँट और सियार आपस में गहरे *मित्र* थे। हमेशा साथ-साथ रहते थे। एक दिन उन्होंने नदी पार जाकर खेतों में से खरबूजा खाने का विचार बनाया। परंतु नदी गहरी थी और सियार में इतनी दूर तक तैरने की *हिम्मत* नहीं थी।

पर ऊँट ने इसका भी उपाय *तलाश* लिया। उसने सियार को अपनी पीठ पर बिठाया और नदी पार कर ली। वे दोनों रात के समय खेतों में घुस गए और मजे से सारे खरबूजों पर हाथ साफ करने लगे।

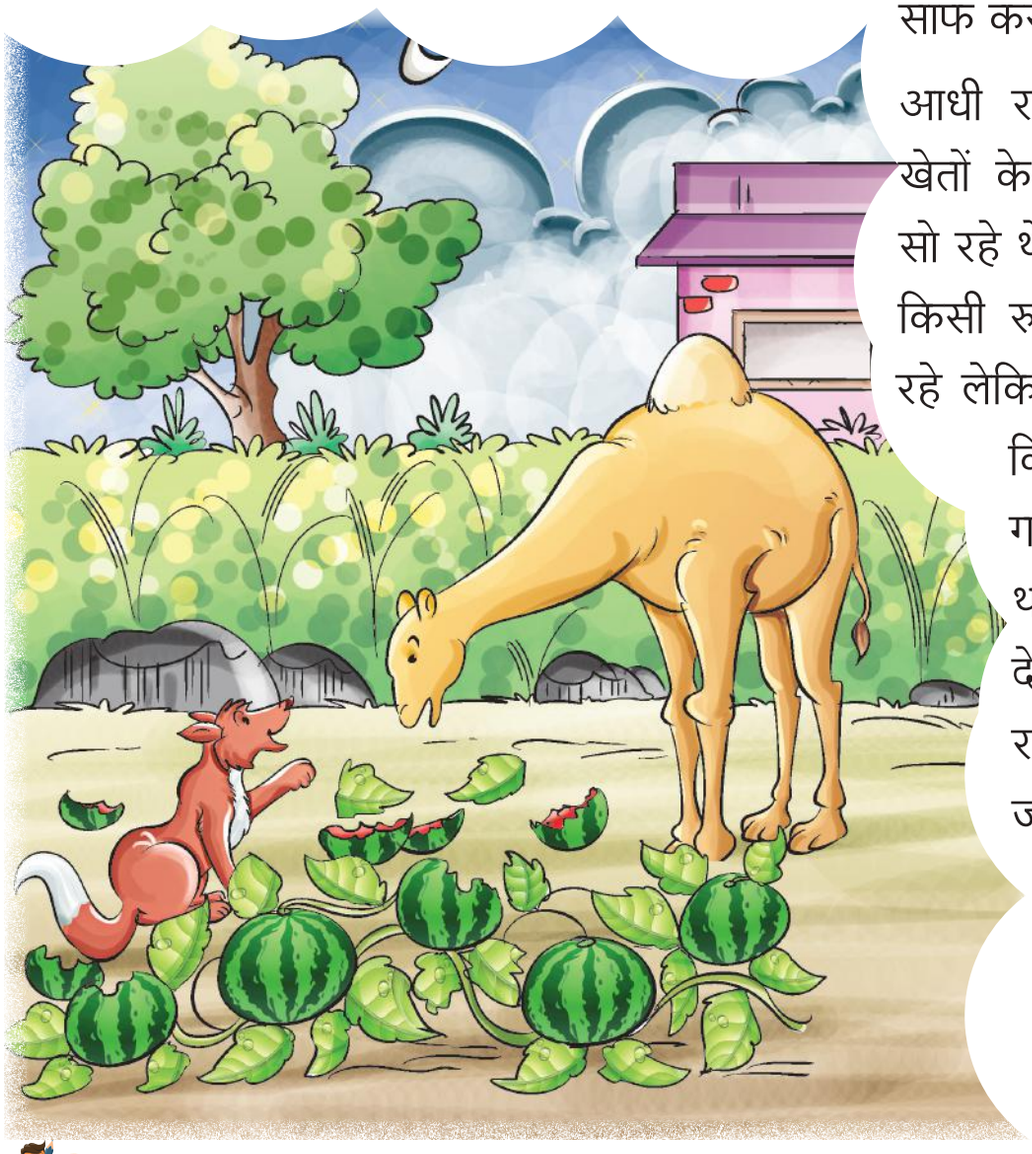

आधी रात बीत चुकी थी और खेतों के रखवाले गहरी नींद में सो रहे थे। ऊँट और सियार बिना किसी रुकावट के खरबूजे खाते रहे लेकिन सियार का पेट था ही कितना, थोडी ही देर में भर गया। ऊँट का पेट भरा नहीं था। पहले तो सियार थोड़ी देर तक *प्रतीक्षा* करता रहा। लेकिन बड़ी देर तक जब ऊँट का पेट नहीं भरा और वह खाता ही गया तो सियार को *बोरियत* होने लगी। वह बोला– "मित्र! बड़ी देर से मेरा

मन 'हुआँ-हुआँ' करने के लिए कर रहा है, तुम तो जानते ही हो कि खाने के बाद मैं हमेशा 'हुआँ-हुआँ' करता हूँ।

"क्या कह रहे हो मित्र?" ऊँट बोला– "अभी तो मेरा पेट आधा भी नहीं भरा, तुम्हारी आवाज सुनकर अगर रखवाले आ गए तो बहुत मार पड़ेगी और मैं भूखा रह जाऊँगा।"

मगर सियार नहीं माना और वही हुआ जो होना था। सियार की आवाज सुनकर रखवाले दौड़ आए। सियार तो बैलों के बीच में छिप गया परंतु ऊँट कहाँ छिपता? ऊँट को बहुत मार पड़ी, मुश्किल से जान बचाकर वह नदी तट पर आया।

जंगल को लौटते समय दोनों ने पहले की तरह नदी पार करने की योजना बनाई। सियार ऊँट की पीठ पर बैठ गया। मगर बीच धार में पहुँचते ही ऊँट ने कहा– "मेरा लोटने का मन कर रहा है।" सियार के लाख गिड़गिड़ाने पर भी ऊँट नहीं माना और गहरे पानी में गोता लगाने लगा। *स्वार्थी* सियार वहीं डूब गया।

शिक्षा- विश्वासघात का परिणाम सदैव बुरा ही होता है।

शब्द-भंडार

मित्र — दोस्त *(friend)*,
तलाश — खोज *(invention)*,
बोरियत — ऊबना *(bore)*,
हिम्मत — साहस *(courage)*,
प्रतीक्षा — इंतजार *(wait)*,
स्वार्थी — मतलबी *(selfish)*।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

ऊँट हिम्मत रुकावट प्रतीक्षा बोरियत मुश्किल

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) कौन आपस में गहरे मित्र थे?

(ख) किसका पेट नहीं भरा था?

(ग) दोनों मित्रों में से किसका मन 'हुआँ-हुआँ' करने के लिए कर रहा था?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) ऊँट और सियार आपस में गहरे ..... थे।

☐ मित्र ☐ शत्रु ☐ जानवर

(ख) ऊँट ने सियार को अपनी ..... पर बैठाकर नदी पार करवाई।

☐ पूँछ ☐ गरदन ☐ पीठ

(ग) ..... का पेट नहीं भरा था।

☐ सियार ☐ ऊँट ☐ रखवाले

2. किसने, किससे कहा?

	किसने	किससे
(क) "मित्र! मेरा मन 'हुआँ-हुआँ' करने के लिए कर रहा है।"	.....	.....
(ख) "मैं भूखा रह जाऊंगा।"	.....	.....
(ग) "अभी तो मेरा आधा पेट भी नहीं भरा।"	.....	.....

3. सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) का निशान लगाइए–

(क) ऊँट और सियार आपस में शत्रु थे। ☐

(ख) दोनों के मन में खरबूजा खाने का विचार आया। ☐

(ग) रखवालों ने सियार को बहुत मारा। ☐

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) ऊँट सियार से 'हुआँ-हुआँ' करने के लिए क्यों मना कर रहा था?

(ख) दोनों मित्रों में से कौन स्वार्थी निकला?

भाषा-ज्ञान

1. पढ़िए, समझिए और लिखिए–

(क) वीर + ता = ... वीरता .....

(ख) महान + ता = ...

(ग) सुंदर + ता = ...

(घ) कायर + ता = ...

(ङ) सफल + ता = ...

(च) मधुर + ता = ...

2. र, रु और रू का अंतर समझिए और इनसे शुरू होने वाले दो-दो शब्द लिखिए।

क्रियात्मक गतिविधि

र → रबड़
र → ----------
र → ----------

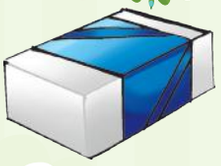

रु → रुपया
रु → ----------
रु → ----------

रू → रूपा
रू → ----------
रू → ----------

- यदि आपको किसी गाँव को देखने का अवसर मिले, तो आप वहाँ पर क्या-क्या करेंगे? चार से पाँच वाक्यों में लिखिए।

....

....

....

....

- दिए गए स्थान पर किन्हीं चार जानवरों के नाम व उनकी बोलियाँ (आवाजों) की सूची बनाइए–

जानवर	बोलियाँ
....	....
....	....
....	....
....	....